एक नजर में

फसल में पानी लगा रहे किसान की करंट से मौत

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम करोद में एक हृदय विदारक हादसा सामने आया है। मूंग की फसल में पानी देने गए 30 वर्षीय किसान राजकुमार यादव की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, राजकुमार यादव पिता बृजभान यादव बुधवार की शाम करीब 7 बजे अपने खेत पर मूंग की फसल की सिंचाई करने गया था। जब वह मोटर चालू करने का प्रयास कर रहा था, तभी मोटर से जुड़े ऊंचे बिजली के तारों में अचानक स्पार्किंग हुई। इस दौरान एक जलता हुआ तार टूटकर सीधे राजकुमार के सिर पर जा गिरा। करंट इतना जोरदार था कि राजकुमार को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद परिजन आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। गुरुवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जा रहा है कि राजकुमार अपने परिवार का इकलौता बेटा था और पूरे घर की आर्थिक जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी।

वह अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है, जिनके सिर से पिता का साया उठने के बाद अब उनका भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। मृत्यु से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कलेक्टर ने संभाला मोर्चा, ऑयल कंपनियों की बैठक ली

रोजाना 4 हजार सिलेंडरों की सप्लाई, पेट्रोल-डीजल भी पर्याप्त

नवभारत न्यूज

गुना 26 मार्च का। पिछले तीन दिनों से गुना जिले में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर फैल रही अफवाहों और पेट्रोल पंपों पर उमड़ रही भारी भीड़ के बीच जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक करते हुए जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि जिले में ईंधन और रसोई गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और पैनिक होने की कोई आवश्यकता नहीं है।

कलेक्टर ने आंकड़ों के माध्यम से जिले की वास्तविक स्थिति साझा की। उन्होंने बताया कि गुना जिले में प्रतिदिन औसतन 3,000 से 3,500 एलपीजी सिलेंडरों की खपत होती है। इसके विपरीत, वर्तमान में प्रशासन और एजेंसियों के पास रोजाना 7,000 से 8,000 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है। गैस सिलेंडर की डिलीवरी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि सिंगल सिलेंडर कनेक्शन धारकों को बुकिंग के महज 3 से 4 दिनों के भीतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। विशेष परिस्थितियों में यह समय अधिकतम 5-6 दिन हो सकता है, जो पूरी तरह सामान्य है। पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासन के निर्देशों का पालन करते हुए जिले में 6,000 लीटर पेट्रोल और 6,000 लीटर डीजल का अतिरिक्त 'रिजर्व स्टॉक' हर समय बनाए रखा जा रहा है।

मधुसूदनगढ़ जैसे क्षेत्रों में जो छिटपुट समस्याएं आई थीं, नागरिकों की समस्याओं को तत्काल निराकरण कर दिया है।

वैश्विक परिस्थितियों का असर और 'पैनिक बाइंग' से बचने की अपील

बीते कुछ दिनों से वैश्विक परिस्थितियों के कारण पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर आम जनता में चिंता देखी जा रही थी, जिसका असर गुना के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों के रूप में नजर आया। कई स्थानों पर पेट्रोल खत्म होने की भ्रामक सूचनाओं के कारण लोग घबराहट में अनावश्यक खरीदारी (पैनिक बाइंग) कर रहे थे।

प्रशासन की सख्त कार्रवाई : जमाखोरों पर गिरी गाज, 12 प्रकरण दर्ज

बाजार में कृत्रिम अभाव पैदा करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर ने बताया कि औचक निरीक्षण और जांच के दौरान 12 ऐसे मामले सामने आए हैं, जहाँ ईंधन की जमाखोरी की जा रही थी। इन सभी मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की गई है। उन्होंने जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अवधेश पांडेय को निर्देश दिए कि वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी की जाए और कालाबाजारी करने वालों को किसी भी सूरत में न बख्शा जाए।

कलेक्टर ने जारी की जिलेवासियों को अपील

कलेक्टर ने जिलेवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा ईंधन की बचत करना न केवल व्यक्तिगत हित में है, बल्कि राष्ट्रहित में भी आवश्यक है। जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है, इसलिए अफवाहों पर ध्यान न दें और सामान्य रूप से ही ईंधन का उपयोग करें। संयम बरतें और तनाव मुक्त रहें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पंपों पर लगने वाली भीड़ केवल अफवाहों का परिणाम है, न कि आपूर्ति में कमी का। वर्तमान में सभी प्रमुख कंपनियों के पेट्रोल पंपों पर सुचारू रूप से वितरण जारी है।

समीक्षा बैठक और सुरक्षा के दिए निर्देश

समीक्षा बैठक और सुरक्षा के निर्देश

बैठक में इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, जियो-बीपी और नायरा एनर्जी के विक्रय अधिकारी शामिल हुए। सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने पुष्टि की कि जिले में ईंधन की आपूर्ति निरंतर और पर्याप्त बनी हुई है। कलेक्टर ने गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के भी निर्देश दिए हैं।

सिलेंडर की डिलेवरी कर रहे कर्मचारी से पूर्व पार्षद ने की मारपीट, एजेंसी संचालक बोले, ऐसे हालात बने तो रोक देंगे होम डिलेवरी

गुना। शहर में कमर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडरों के वितरण को लेकर मची मारामारी के बीच अब विवाद और मारपीट की घटनाएं गंभीर रूप ले रही हैं। बुधवार को शीतला माता मंदिर क्षेत्र में केसर गैस एजेंसी के एक कर्मचारी के साथ हुई कथित मारपीट का मामला अब गरमा गया है। जहां एक ओर कर्मचारी ने भाजपा के पूर्व पार्षद पर मारपीट के आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर पूर्व पार्षद ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। घटना के बाद गैस एजेंसी संचालकों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

इससे पहले तलैया मोहल्ला निवासी पीड़ित कर्मचारी अहमद खान ने पुलिस को बताया कि वह शीतला माता मंदिर क्षेत्र में उपभोक्ता गोपाल सिंह कुशवाह के घर सिलेंडर की डिलीवरी देने गया था। नियमानुसार, अहमद ने उपभोक्ता से मोबाइल पर प्राप्त होने वाला 'डीएसी कोड' मांगा। तकनीकी कारणों से कोड प्राप्त न होने पर अहमद ने अगले दिन डिलीवरी देने की बात कही। अहमद का आरोप है कि इसी दौरान वहां मौजूद भाजपा के पूर्व पार्षद प्रेम कुशवाह ने उन पर आज ही सिलेंडर देने का दबाव बनाया और असमर्थता जताने पर उनके साथ अभद्रता और मारपीट की। हालांकि, इस मामले में पूर्व पार्षद प्रेम कुशवाह ने मारपीट की बात से साफ इनकार किया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही केसर गैस एजेंसी के संचालक रजनीश शर्मा अपने स्टाफ के साथ कोतवाली पहुँचे। उन्होंने पुलिस के सामने अपना कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर मारपीट करने वालों का नाम उजागर नहीं किया, लेकिन इस बढ़ती असुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा कि अगर वितरण के दौरान कर्मचारियों के साथ इस तरह की घटनाएं होंगी, तो ऐसी विपरीत परिस्थितियों में गैस एजेंसी संचालक घर-घर जाकर गैस सिलेंडर का वितरण नहीं कर पाएंगे। फिलहाल, कोतवाली पुलिस ने पीड़ित अहमद खान की शिकायत पर घटना की बारीकी से विवेचना शुरू कर दी है।

उकावद में झोलाछाप डॉक्टरों की चार अवैध क्लीनिक सील

गुना। मधुसूदनगढ़ क्षेत्र के ग्राम उकावद में बिना वैध चिकित्सकीय योग्यता के क्लीनिक संचालित कर रहे झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर किशोर कन्याल के निर्देश और अनुविभागीय अधिकारी राघौगढ़ अमित सोनी के नेतृत्व में स्वास्थ्य, राजस्व और पुलिस विभाग के संयुक्त दल ने गुरुवार को उकावद में छापामार कार्रवाई करते हुए चार अवैध क्लीनिकों को सीलबंद कर दिया। कार्यवाही के दौरान राघौगढ़ एसडीएम के साथ तहसीलदार मकसूदनगढ़ और खंड चिकित्सा अधिकारी राघौगढ़ मौजूद रहे। जांच दल ने जब उकावद में संचालित चिरौजीलाल बंजारा, दीपेश नामदेव, भारत सिंह मीणा और राजू नायक के क्लीनिकों का निरीक्षण किया और उनसे चिकित्सकीय योग्यता संबंधी डिग्री या पंजीयन प्रमाण-पत्र मांगे, तो संचालक कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। प्रथम दृष्टया इन क्लीनिकों का संचालन अवैध पाए जाने पर इन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। मौके पर मिली दवाइयों और उपकरणों को जब्त कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन की इस अचानक हुई हलचल को देख क्षेत्र में अवैध रूप से क्लीनिक चला रहे अन्य संचालक अपने प्रतिष्ठान बंद कर मौके से फरार हो गए। प्रशासन अब इन फरार संचालकों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि बिना वैध पंजीयन और डॉक्टरी योग्यता के चिकित्सा कार्य करना एक दंडनीय अपराध है और आम जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर अभियान जारी रहेगा।

लंबे इंतजार के बाद भरे गए सिंध नदी के खतरनाक गड्ढे

गुना। म्याना में उत्तर प्रदेश के ललितपुर को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित सिंधु नदी के पुल पर पिछले काफी समय से बने खतरनाक गड्ढों को आखिरकार लोक निर्माण विभाग द्वारा भर दिया गया है। लंबे इंतजार के बाद हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र के ग्रामीणों और राहगीरों ने राहत की सांस ली है। यह पुल पिछले कुछ समय से दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बना हुआ था। गड्ढों की गहराई इतनी अधिक थी कि हाल ही में एक किसान की ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी थी। इसके अलावा कई चौपहिया वाहनों के बंपर और कामानी टूट चुकी हैं। आए दिन वाहनों के पहिए निकलने और दोपहिया वाहन चालकों के गिरने से चोटिल होने की खबरें सामने आ रही थीं। पूर्व में लहरघाट के युवाओं ने स्वयं पहल कर इन गड्ढों को भरा था, लेकिन बारिश के कारण वे दोबारा उखड़ गए थे। हालांकि ढहऊ ने बड़े और जानलेवा गड्ढों को बंद कर दिया है, जिससे बड़े हादसों का खतरा टल गया है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर अभी भी कई छोटे-मोटे गड्ढे मौजूद हैं।

टगरिया सरकार मंदिर में गूंजेगी शहनाई, 28 मार्च को 11 बेटियों का होगा निशुल्क कन्या विवाह

गुना। एक ओर जहाँ समाज में शादियों पर लाखों रुपये खर्च करने की होड़ लगी है, वहीं गुना के फतेहगढ़ इलाके में स्थित टगरिया सरकार मंदिर समिति ने सेवा की एक अनूठी मिसाल पेश की है। आगामी 28 मार्च को मंदिर परिसर में 11 कन्याओं का भव्य निःशुल्क विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन की खास बात यह है कि इसमें उन बेटियों के हाथ पीले किए जा रहे हैं, जिनके सिर से माता-पिता का साया उठ चुका है।

मंदिर प्रबंधक अशोक नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर परिसर में बीते 20 मार्च से 27 मार्च तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। भक्ति की इस धारा के समापन पर 28 मार्च को कन्या विवाह का संकल्प पूरा किया जाएगा।

मंदिर समिति ने निर्णय लिया है कि सर्वधर्म समभाव और सेवा भाव के साथ 11 जोड़ों का विवाह कराया जाएगा। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन की सबसे भावुक कड़ी यह है कि चयनित 11 कन्याओं में से 6 बेटियां ऐसी हैं जिनके माता-पिता नहीं हैं। इन अनाथ बेटियों के कन्यादान से लेकर उनके घर बसाने तक की पूरी जिम्मेदारी समिति ने उठाई है। सभी जोड़ों को समिति की ओर से गृहस्थी का आवश्यक सामान (उपहार स्वरूप) प्रदान किया जाएगा, ताकि वे अपने नए जीवन की शुरूआत सम्मान के साथ कर सकें।

बड़ौदा के संत गुड्डा महाराज देंगे आशीर्वाद

इस मांगलिक अवसर पर नव-दंपत्तियों को आशीर्वाद देने के लिए भैंसाना के प्रसिद्ध संत श्री गुड्डा महाराज विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उनके सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यह विवाह संस्कार संपन्न होगा।

श्रद्धा का केंद्र है टगरिया सरकार

उल्लेखनीय है कि टगरिया सरकार मंदिर क्षेत्र में गहरी आस्था का केंद्र है। प्रबंधक अशोक नागर के अनुसार, यहाँ वर्षों से वीर महाराज की साप्ताहिक चौकी लगाई जाती है, जहाँ बागेश्वर धाम की तर्ज पर हजारों भक्त अपनी समस्याएं लेकर पहुँचते हैं। प्रतिवर्ष दशहरे पर यहाँ विशाल आयोजन होता है, लेकिन इस बार 'कन्या सेवा' को प्राथमिकता देते हुए समिति ने इस पुनीत कार्य का बीड़ा उठाया है।

प्रशासन का शिकंजा : तीन के खिलाफ जेल वारंट

गुना। जिले में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान के तहत प्रशासन ने अब बेहद सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के कड़े निदेशों के पालन में राघौगढ़ एसडीएम अमित कुमार सोनी ने तहसीलदार मधुसूदनगढ़ के प्रतिवेदन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अतिक्रमणकारियों के खिलाफ जेल भेजने हेतु गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए हैं। यह पूरी कार्रवाई मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 248 के तहत निहित प्रावधानों के अंतर्गत की गई है, जिसमें सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर सख्त सजा का प्रावधान है। पूरा मामला ग्राम कमलपुरा और हिंगोना की शासकीय भूमि से जुड़ा है, जहाँ सर्वे क्रमांक 101 और 364 की लगभग 3.7 हेक्टेयर भूमि पर अवैध रूप से गेहूं की फसल बोकर कब्जा किया गया था।

एसपी का संदेश : अपराधियों की कुंडली खंगालने दी 'डेडलाइन'

नवभारत न्यूज

गुना। गुना की कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक हितिका वासल अब 'एक्शन मोड' में हैं। गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम के सभागार में आयोजित एक हाई-प्रोफाइल बैठक में एसपी ने जिले के खुफिया तंत्र (इंटेलिजेंस) और थाना प्रभारियों की जमकर क्लास ली। उन्होंने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि अपराध होने के बाद लकीर पीटने के बजाय, सूचना तंत्र ऐसा हो कि वारदात से पहले ही अपराधी सलाखों के पीछे हों। बैठक के दौरान एसपी वासल ने सूचना संकलन की ढीली कार्यप्रणाली पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की सफलता का आधार 'बीट प्रणाली' और 'मुखबिर तंत्र' है, लेकिन यदि छोटी घटनाओं की जानकारी समय पर मुख्यालय नहीं पहुँच रही, तो यह सीधे तौर पर लापरवाही है। उन्होंने निर्देश दिए कि हर बीट कर्मचारी को अपने क्षेत्र के असामाजिक तत्वों और आदतन अपराधियों की पल-पल की खबर रखनी होगी। आगामी त्योहारों और विशेष अवसरों को देखते हुए एसपी ने सुरक्षा चक्र को अभेद्य बनाने की रणनीति तैयार की है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा संवेदनशील क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर 24 घंटे निगरानी रखी जाए। जेल से छूटे और आदतन अपराधियों की गतिविधियों का 'डेली चार्ट' तैयार हो। छोटी से छोटी घटना को नजरअंदाज न करें, क्योंकि यही भविष्य में बड़े अपराध की नींव बनती हैं। बैठक में पारंपरिक मुखबिर तंत्र के साथ-साथ आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग पर भी विशेष जोर दिया गया। एसपी ने साफ कर दिया कि जो कर्मचारी सूचना के आदान-प्रदान में सुस्ती दिखाएंगे, उन पर विभागीय गाज गिरना तय है। उन्होंने थाना प्रभारियों को जनता के बीच जाकर संवाद बढ़ाने और पुलिस का खौफ अपराधियों में, जबकि विश्वास आमजन में पैदा करने का टास्क दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम केवल ऑफिस में बैठना नहीं, बल्कि फील्ड में रहकर 'क्राइम प्रिवेंशन' करना है।

गुना पुलिस का 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के विरुद्ध सख्त अभियान, चौराहे पर की चेकिंग

नवभारत न्यूज

गुना। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुना पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के संवेदनशील नेतृत्व में यातायात नियमों के पालन हेतु एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात पुलिस ने 'ड्रिंक एंड ड्राइव' (नशे में वाहन चलाना) के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए वाहन चालकों की सघन चेकिंग की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं डीएसपी ट्रैफिक श्री मुकेश कुमार दीक्षित के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। यातायात थाना प्रभारी अजय प्रताप सिंह ने अपनी टीम के साथ बुधवार, 25 मार्च की शाम 7:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक शहर के व्यस्ततम जय स्तंभ चौराहे पर विशेष चेकिंग पॉइंट लगाया। अभियान के दौरान दोपहिया, चारपहिया वाहनों के साथ-साथ बस चालकों का भी ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से अल्कोहल परीक्षण किया गया। चेकिंग के दौरान दो वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाए गए। इन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 185 के तहत वैधानिक प्रकरण तैयार किए गए हैं, जिन्हें आगामी कार्रवाई हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। नशे में वाहन चलाना न केवल चालक के लिए जानलेवा है, बल्कि यह सड़क पर चल रहे अन्य निर्दोष राहगीरों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है।